मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

EHD–4

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

ई.एच.डी.-4 : मध्यकालीन भारतीय साहित्य : समाज और संस्कृति

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

1. निर्गुण भक्तिमत के दार्शनिक आधारों पर प्रकाश डालिए।

20

अथवा

तमिल भक्तिकाव्य के प्रमुख शैव कवियों का परिचय दीजिए।

2. ज्ञानेश्वर के काव्य के दार्शनिक पक्ष का विवेचन कीजिए। 20

अथवा

शंकरदेव के काव्य के सामाजिक-सांस्कृतिक पक्ष का विश्लेषण कीजिए।

3. बांग्ला भक्ति साहित्य के प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए। 20

अथवा

सूरदास के शृंगार-वर्णन की विशेषताएँ बताइए।

4. नन्ददास के काव्य की अंतर्वस्तु पर विचार कीजिए। 20

अथवा

मराठी भक्ति साहित्य का परिचय दीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2\times10=20$

(क) नामदेव

(ख) चंडीदास

(ग) गोविन्ददास

(घ) कबीर

(ङ) मीराबाई

(च) सुंदरमूर्ति

× × × × ×